Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to construct an expressway traversing the States of Madhya Pradesh, Uttar Pradesh and Uttarakhand.

श्री मुकेश राजपूत (फर्रुखाबाद) : महोदय, हिमालय की गोद में बसे उत्तराखंड राज्य की एक लंबी सीमा भारत के पड़ोसी देश चीन के साथ लगती है। अति महत्वपूर्ण उत्तराखंड कुमाऊँ मंडल तक सेना की शीघ्र पहुंच के लिए ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं।

ग्वालियर से भिंड, इटावा, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, बरेली होकर टनकपुर या हल्द्वानी तक एक नया एक्सप्रेस वे अति आवश्यक तीन राज्यों को जोड़ने वाला एक्सप्रेस वे लगभग 425 से 450 किमी लंबा होगा।

1. सामरिक दृष्टि से ग्वालियर छावनी, झाँसी छावनी, आगरा छावनी, फतेहगढ़ छावनी, बरेली छावनी सीधे जुड़ जायेंगी और आवश्यकता पड़ने पर बहुत कम समय में चीन सीमा तक पहुंचा जा सकता है।

2. ये एक्सप्रेस वे दिल्ली-झांसी हाइवे, आगरा-मुम्बई हाइवे, दिल्ली-आगरा-कानपुर को जोड़ने वाला NH2, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे, जी टी रोड, प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस वे, सहारनपुर-बरेली-लखनऊ हाइवे व हिमालय की तलहटी में बनने वाले पर्वत माला प्रोजेक्ट के तहत हाइवे को जोड़ने का कार्य करेगा।

माननीय सड़क परिवहन मंत्री जी से आग्रह है कि मध्यप्रदेश के ग्वालियर से भिंड, उत्तर प्रदेश के इटावा, मैनपुरी के किशनी व बेवर, फर्रुखाबाद के नीमकरोरी धाम, पुठरी व ढाईघाट, शाहजहांपुर के जरियनपुर, जलालाबाद, तिलहर, निगोही, बरेली के बीसलपुर, पीलीभीत खटीमा होते हुए टनकपुर तक एक नया एक्सप्रेस वे बनाना अति आवश्यक है।